



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 136]

No. 136]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 24, 2007/चैत्र 3, 1929

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 24, 2007/CHAITRA 3, 1929

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2007

सा.का.नि. 231(अ).—केन्द्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वायुयान (खतरनाक माल का वहन) नियम, 2003 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, नामशः :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (खतरनाक माल का वहन) संशोधन नियम, 2007 है।

(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. वायुयान (खतरनाक माल का वहन) नियम, 2003 में,—

(i) नियम 3, उप-नियम (2) में,—

(क) पहले परंतुक से पूर्व, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, नामशः :-

“परंतु विस्फोटक के रूप में वर्गीकृत खतरनाक माल का वहन भारत में, से उसके भीतर या ऊपर से किसी भी विमान द्वारा नहीं किया जाएगा, बशर्ते कि वह वायुयान नियमावली, 1937 के नियम 8 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रदान की गई अनुमति के नियम व शर्तों के अधीन हो।”

(ख) पहले परंतुक में, “परंतु” शब्दों के स्थान पर “परंतु यह और” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(ग) दूसरे परंतुक में “परंतु यह और” शब्दों के स्थान पर “परंतु यह भी” को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(ii) नियम 9, उप-नियम (8) में, “नियम 3 का उप-नियम (2)” शब्दों के स्थान पर “नियम 3 के उप-नियम (4)” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

[फा. सं. ए. वी. 11012/02/2006-ए]

आर. के. सिंह, संयुक्त सचिव

टिप्पण 1.— मूल नियम अधिसूचना सं. सा.का.नि. 206(अ) तारीख 5 मार्च, 2003 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और बाद में सा.का.नि. 795(अ) तारीख 6 अक्टूबर, 2003, सा.का.नि. 796(अ) तारीख 6 अक्टूबर, 2003 तथा सा.का.नि. 600(अ) तारीख 27 सितम्बर, 2006 द्वारा संशोधित किए गए थे।

टिप्पण 2.— वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने लोकहित में नागर विमानन मंत्रालय में जारी दिनांक 19-03-2007 के अपने आदेश सं. ए. वी. 11012/02/2006-ए द्वारा इन नियमों के पूर्व प्रकाशन की शर्तों से छूट दी है।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th March, 2007

G.S.R. 231(E).—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft (Carriage of Dangerous Goods) Rules, 2003, namely :—

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Carriage of Dangerous Goods) (Amendment) Rules, 2007.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Aircraft (Carriage of Dangerous Goods) Rules, 2003,—
 - (i) in rule 3, sub-rule (2),—
 - (a) before the first proviso, the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that dangerous goods classified as explosives shall not be carried in any aircraft to, from, within or over India except in accordance with and subject to the terms and conditions of a permission in writing granted by the Central Government under rule 8 of the Aircraft Rules, 1937.”
 - (b) in the first proviso, for the words “Provided that”, the words “Provided further that” shall be substituted.
 - (c) in the second proviso for the words “Provided further that”, the words “Provided also that” shall be substituted.
 - (ii) in rule 9, sub-rule (8), for the words “sub-rule (2) of rule 3”, the words “sub-rule (4) of rule 3” shall be substituted.

[F.No. AV. 11012/02/2006-A]

R. K. SINGH, Jt. Secy.

Note 1.— The principal rules were published *vide* notification number G.S.R. 206(E) dated the 5th March, 2003 and was subsequently amended *vide* number G.S.R. 795(E) dated 6th October, 2003, G.S.R. 796(E) dated 6th October, 2003 and G.S.R. 600(E) dated 27th September, 2006.

Note 2.— The Central Government in exercise of the powers conferred by proviso to Section 14 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934) has, in the public interest dispensed with the condition of previous publication of these rules *vide* its Order No. AV. 11012/002/2006-A, dated 19th March, 2007 issued in the Ministry of Civil Aviation.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2007

सा.का.नि. 232(अ).—केन्द्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वायुयान नियम, 1937 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, नामशः :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (संशोधन), नियम, 2007 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
2. वायुयान नियमावली, 1937 में नियम 3 में, उप-खंड (17) का लोप किया जाए।

[फा. सं. एवी. 11012/02/2006-ए]

आर. के. सिंह, संयुक्त सचिव

टिप्पण 1.— मूल नियम भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. V-26, तारीख 23 मार्च, 1937 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन सा.का.नि. 601(अ), तारीख 27 सितम्बर, 2006 द्वारा किया गया था।

टिप्पण 2.— वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने लोकहित में नागर विमानन मंत्रालय में जारी दिनांक 19-03-2007 के अपने आदेश सं. ए. वी. 11012/002/2006-ए द्वारा इस अधिसूचना के मामले में पूर्व प्रकाशन की शर्तों से छूट दी है।

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th March, 2007

G.S.R. 232(E).—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely :—

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Amendment) Rules, 2007.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Aircraft Rules, 1937, in rule 3, clause (17) shall be deleted.

[F.No. AV. 11012/02/2006-A]

R. K. SINGH, Jt. Secy.

Note 1.— The principal rules were published in the Official Gazette *vide* notification number V-26, dated the 23rd March, 1937 and was last amended *vide* number G.S.R. 601(E) dated the 27th September, 2006.

Note 2.— The Central Government in exercise of the powers conferred by proviso to Section 14 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934) has, in the public interest dispensed with the condition of previous publication of these rules *vide* its Order No. AV. 11012/002/2006-A dated 19th March, 2007 issued in the Ministry of Civil Aviation.